(ग) यदि हां, तो उक्त असंतोष को दूर करने के लिये क्या उपाय किये जा रहे है ?

**पर्यटन तथा असैनिक उड्डयन मंत्री (डा० कर्ण सिंह)** । (क) : अपेक्षित सूचना नीचे दी गई हैं :

| | तकनीकी | गैर-तकनीकी |
|---|---|---|
| 1. स्थायी पदों पर नियुक्त कर्मचारियों की संख्या | | |
| (i) जिनकी पुष्टि हो चुकी है | 1177 | 1830 |
| (ii) परिवीक्षाधीन | 37 | 112 |
| 2. अस्थायी/अल्पावधिक पदों पर नियुक्त कर्मचारियों की संख्या | 51 | 200 |
| योग : | 1265 | 2162 |

(ख) और (ग) जी, नहीं। परन्तु, इंडियन एयरलाइन्स को कार्यकर्त्ता संघ तथा कर्मचारियों से अस्थायी पदों को स्थायी पदों में परिवर्तित करने के लिये प्रतिवेदन प्राप्त हुआ है। कर्मचारियों को स्थायी बनाने का प्रश्न मौजूदा स्वीकृत स्थायी पदों में भावी रिक्तियों अथवा अतिरिक्त स्थायी पदों के निर्माण के लिये कार्य-भार में आवश्यक वृद्धि पर निर्भर करता है ।

**नेफा में चीन समर्थक तत्वों के विरुद्ध जांच**

4554. **श्री राम स्वरूप विद्यार्थी :**
**श्री नारायण स्वरूप शर्मा :**
**श्री ओम प्रकाश त्यागी :**
**कुमारी कमला कुमारी :**
**श्री क० लक्कप्पा :**
**श्री यशपाल सिंह :**

क्या गृह-कार्य मंत्री नेफा में चीन समर्थक व्यक्तियों की गिरफ्तारियों के सम्बन्ध में 20 दिसम्बर, 1968 के अतारांकित प्रश्न संख्या 5226 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या संदेहास्पद व्यक्तियों के विरुद्ध जांच इस बीच पूरी कर ली गई है ;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या निष्कर्ष निकले है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसे कब पूरा किये जाने की सम्भावना है ?

**गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विद्या चरण शुक्ल)** : (क) से (ग). जांच अभी जारी है ।

**केन्द्रीय सरकार के हिन्दी सलाहकार द्वारा की गई सिफारिशें**

4555. **श्री राम स्वरूप विद्यार्थी :**
**श्री नारायण स्वरूप शर्मा :**
**श्री ओम प्रकाश त्यागी :**
**श्री यशपाल सिंह :**

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत सरकार के हिन्दी सलाहकार ने गत तीन वर्षों में हिन्दी के प्रचार तथा हिन्दी के उत्तरोत्तर प्रयोग के लिए क्या-क्या सिफारिशें की हैं और क्या-क्या प्रतिवेदन पेश किये गये हैं; और

(ख) क्या सरकार हिन्दी सलाहकार द्वारा की गई सिफारिशों का विवरण तथा इस सम्बन्ध में सरकार द्वारा किये गये निर्णयों का ब्यौरा सभा पटल पर रखेगी ?

**गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विद्या चरण शुक्ल)** : (क) हिन्दी सलाहकार द्वारा कोई रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की जाती ।

उनका कार्य हिन्दी के प्रसार, विकास और संघ के सरकारी प्रयोजनों के लिए इसके प्रगामी प्रयोग से सम्बन्धित मामलों पर सरकार को सलाह देना है। भारत सरकार के कुछ मंत्रालयों में हिन्दी के कार्य से सम्बन्धित एक रिपोर्ट उन्होंने तैयार की थी। इस रिपोर्ट की एक प्रतिलिपि सम्बन्धित मंत्रालयों को आवश्यक कार्रवाई के लिये भेजी गयी थी।

(ख) गृह मंत्रालय में किये जाने वाले कार्य के सम्बन्ध में इस रिपोर्ट में की गयी प्रमुख सिफारिशें और उन पर की गयी कार्रवाई विवरण में दी गयी हैं जो सभा पटल पर रखा गया हैं। [पुस्तकालय में रखा गया। देखिये संख्या LT-531/69]

**तथाकथित पारपत्र घोटाला**

4556. **श्री राम गोपाल शालवाले :**
**श्री रणजीत सिंह :**
**श्री जनन्नाथ राव जोशी :**
**श्री सूरज भान :**
**श्री अटल बिहारी बाजपेयी :**
**श्री बृज भूषण लाल :**

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पश्चिम बंगाल के गृह विभाग के एक अधिकारी से कलकत्ता में रहने वाले चीनीयों के पारपत्रों के घोटाले में सांठगांठ करने के आरोप पर पूछताछ की गई है; और

(ख) यदि हां, तो उस अधिकारी का नाम क्या है, उसके विरुद्ध लगाये गये आरोपों का ब्यौरा क्या है और जांच का क्या परिणाम निकला है ?

**गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विद्या चरण शुक्ल)**: (क) और (ख). पश्चिम बंगाल शासन से सूचना प्राप्त की जा रही है और प्राप्त होने पर सदन के सभा पटल पर रख दी जायगी।

**खेलों के स्तर में गिरावट**

4557. **श्री राम गोपाल शाल वाले :**
**श्री रणजीत सिंह :**
**श्री सूरज भान :**
**श्री अटल बिहारी बाजपेयी :**
**श्री जनन्नाथ राव जोशी :**
**श्री बृज भूषण लाल :**
**श्रीमती सावित्री श्याम :**
**श्री क० लकप्पा :**
**श्री यशपाल सिंह :**
**श्री प० गोपालन :**
**श्री पी० पी० एब्योस :**
**श्री ज्योतिर्मय बसु :**
**श्रीमती सुशीला गोपालन :**

क्या शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पुनर्गठित अखिल भारतीय खेल कूद परिषद का ध्यान खेलों के गिरते हुए स्तर की ओर तथा कबड्डी, कुश्ती आदि भारतीय खेलों की ओर दिलाया गया है; और

(ख) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की गई है और उसके क्या परिणाम निकले हैं ?

**शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भक्त दर्शन)**: (क) और (ख). यह काम मुख्य रूप से राष्ट्रीय खेलकूद प्रतिष्ठानों का है कि वे सम्बन्धित खेलों के स्तर के सुधार के लिए उपयुक्त कदम उठाएं। फिर भी, वित्तीय सहायता के लिए सरकार द्वारा प्राप्त हुए सभी प्रस्तावों पर अखिल भारतीय खेलकूद परिषद के परामर्श से समुचित ध्यान दिया जाता हैं।